web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 07 मार्च 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 159

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रस्तुत किया छत्तीसगढ़ विधानसभा में 2023-24 का बजट

बेरोजगारों को मिलेगा 2500 रुपये भत्ता, नवा रायपुर से दुर्ग तक लाइट मेट्रो सेवा की घोषणा

भूपेश बघेल ने बजट में किसान, मजदूर और युवाओं के लिए दी सौगातें, बजट में की गई कई प्रमुख घोषणाएं

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में 2023-24 का बजट प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री बघेल द्वारा बजट में की गई प्रमुख घोषणाएं -

❖ राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना को इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ नगर पंचायत क्षेत्र के लिए भी विस्तार किया जाएगा।

❖ शिक्षित बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की नवीन योजना शुरू की जायेगी। रोजगार एवं पंजीयन केन्द्र में पंजीकृत कक्षा 12वीं पास 18 से 35 वर्ष के युवा, जिनके परिवार की वार्षिक आय 02 लाख 50 हजार से कम होगी, उन्हें अधिकतम 02 वर्ष तक 2500 रू. प्रति माह की दर से बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाएगा। इसके लिए 02 सौ 50 करोड़ का नवीन मद में प्रावधान।

❖ निराश्रितो बुजुर्गो, दिव्यांगों एवं विधवा तथा परित्यक्ता महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत दी जाने वाली मासिक पेंशन की राशि 350 रू. से बढ़ाकर 500 रू प्रति माह की जाएगी।

❖ महिलाओं तथा बच्चों के पोषण एवं टीकाकरण हेतु प्रदेश भर में संचालित 46 हजार 660 आगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दी जाने वाली मासिक मानदेय की राशि 06 हजार 500 रु. प्रति माह से बढ़ाकर 10 हजार रू. प्रति माह की जाएगी। आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय 03 हजार 250 रू. से बढ़ाकर 05 हजार रू प्रति माह किया जाएगा।

❖ मिनी आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का मानदेय 04 हजार 500 रू. से बढ़ाकर 07 हजार 500 रु. प्रति माह किया जाएगा।

❖ गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रोत्साहन से लेकर स्वास्थ्य विभाग की हर छोटी-बड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करने वाली मितानिन बहनों को पूर्व से दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त राज्य मद से 22 सौ रू. प्रति माह की दर से मानदेय दिया जाएगा।

❖ ग्राम कोटवारों को सेवा भूमि के आकार के अनुसार अलग-अलग दरों पर मानदेय दिया जाता है। पूर्व प्रचलित मानदेय की राशि 22 सौ 50 रूपए को बढ़ाकर 03 हजार रूपए, 33 सौ 75 रूपए को बढ़ाकर 04 हजार 05 सौ रूपए., 04 हजार 50रूपए को बढ़ाकर 55 सौ रूपए एवं 04 हजार 05 सौ रूपए को बढ़ाकर 06 हजार रूपए प्रति माह किया जाएगा। ग्राम पटेल को दिये जा रहे 02 हजार रूपए मासिक मानदेय की राशि को बढ़ाकर 03 हजार रूपए किया जाएगा।

❖ मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम अंतर्गत स्कूलों में दोपहर का भोजन बनाने वाले रसोईयों को दी जा रही मानदेय की राशि रूपये 01 हजार 05 सौ को बढ़ाकर 01 हजार 08 सौ रू.

प्रति माह किया जाएगा। विद्यालयों में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों का मानदेय भी 25 सौ रू से बढ़ाकर 28 सौ रू प्रति माह किया जाएगा।

❖ राज्य के पर्व-त्यौहार, आपत्ति विपत्ति एवं विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के दौरान कानून व्यवस्था को बनाये रखने में सहयोग प्रदान करने वाले होमगार्ड के जवानों के मानदेय में न्यूनतम 06 हजार 300 रूपए से अधिकतम 06 हजार 420 रूपए प्रति माह की वृद्धि की जाएगी।

❖ स्वावलंबी गोठानों की संचालन समिति के अध्यक्ष को 750 रूपए एवं सदस्यों को 500 रूपए मानदेय दिया जाएगा। इस मानदेय की पात्रता केवल अशासकीय सदस्यों को होगी।

❖ मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि को 25 हजार से बढाकर 50 हजार किया जाएगा। इसके लिए बजट में 38 करोड का प्रावधान।

❖ प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं उच्च गुणवत्ता की मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न शहरी अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लिए 01 हजार करोड़ का प्रावधान।

❖ महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क की स्थापना के तर्ज पर शहरी क्षेत्र में भी औद्योगिक पार्क की स्थापना की जायेगी। औद्योगिक पार्कों में लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना के प्रोत्साहन हेतु 50 करोड़ का प्रावधान।

❖ प्रदेशवासियों को आवागमन हेतु सहज, सस्ता एवं आधुनिक साधन उपलब्ध कराने के लिए नवा रायपुर, अटल नगर से दुर्ग तक लाइट मेट्रो सेवा शुरू करने का प्रस्ताव।

❖ शासकीय शालाओं में प्रवेशित विद्यार्थियों को पब्लिक स्कूलों की भांति अंग्रेजी माध्यम से उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2020-21 में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय योजना प्रारंभ की गई है। वर्तमान में 247 अंग्रेजी माध्यम एवं 32 हिन्दी माध्यम स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में 02 लाख 38 हजार 961 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है। इस वर्ष 101 नवीन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोलने का प्रस्ताव। योजना के लिए 08 सौ 70 करोड का प्रावधान।

❖ मनेन्द्रगढ़, गीदम, जांजगीर चांपा एवं कबीरधाम जिले में नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना की जायेगी। बजट में इसके लिए 200 करोड़ का प्रावधान।

❖ कोरबा पश्चिम में नवीन ताप विद्युत गृह की स्थापना की जायेगी। बजट में इसके लिए 25 करोड़ का प्रावधान।

❖ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य की आर्थिक स्थिति का ब्यौरा सदन के सामने प्रस्तुत किया। राज्य के चालू वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार स्थिर भाव पर वर्ष 2021-22 की तुलना में चालू वर्ष के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 08 प्रतिशत की वृद्धि का अग्रिम अनुमान है। जबकि इसी अवधि में भारत सरकार के सकल घरेलू उत्पाद में 07 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है।

❖ वर्ष 2022-23 में स्थिर भाव पर कृषि क्षेत्र में भारत सरकार की अनुमानित वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत की तुलना में राज्य में 5.93 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है। स्थिर भाव पर औद्योगिक क्षेत्र में भारत सरकार की अनुमानित वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत की तुलना में राज्य में 7.83 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है। स्थिर भाव पर सेवा क्षेत्र में भारत सरकार की अनुमानित वृद्धि दर 9.1 प्रतिशत की तुलना में राज्य में 9.21 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है। इस प्रकार कृषि, उद्योग एवं सेवा तीनों ही क्षेत्र में राज्य की वृद्धि दर केन्द्र से अधिक अनुमानित है।

❖ प्रचलित भाव पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2021-22 में 04 लाख 06 हजार 416 करोड़ से बढक़र वर्ष 2022-23 में 04 लाख 57 हजार 608 करोड़ होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.60 प्रतिशत अधिक है।

❖ वर्ष 2021-22 में प्रति व्यक्ति आय 01 लाख 20 हजार 704 रूपये की तुलना में वर्ष 2022-23 में 01 लाख 33 हजार 898 रूपये होने का अनुमान है, जो कि गत वर्ष की तुलना में 10.93 प्रतिशत अधिक है।

❖ वर्ष 2022-23 के राज्य बजट में केन्द्रीय करों एवं केन्द्रीय सहायता अनुदान मद में कुल 44 हजार 573 करोड़ का प्रावधान रखा गया था। वर्ष 2023-24 के केन्द्रीय बजट को देखते हुए इस वर्ष राज्य के बजट में कुल 49 हजार 800 करोड़ की राशि केन्द्र से प्राप्त होने का अनुमान है।

❖ वर्ष 2022-23 के बजट में राज्य के स्वयं के कर एवं करेत्तर राजस्व से कुल 44 हजार 500 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान था। वर्ष 2023-24 में राज्य के राजस्व स्रोतों से 56 हजार 200 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है। इस प्रकार केन्द्रीय प्राप्तियों में 11.73 प्रतिशत एवं राज्य के राजस्व प्राप्तियों में 26.30 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है।

❖ मुख्यमंत्री ने बजट में कहा कि हमने धान का कटोरा के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ राज्य को हमने धन का कटोरा होने का गौरव दिलाया है। खरीफ 2017 में 12 लाख किसानों से उपार्जित 57 लाख मीट्रिक टन धान की तुलना में खरीफ 2022 में 23 लाख 42 हजार किसानों से 107 लाख मीट्रिक टन धान उपार्जित किया गया है। इस प्रकार विगत 04 वर्षों के दौरान धान विक्रय करने वाले किसानों की संख्या में 11 लाख 42 हजार की वृद्धि एवं उपार्जित धान की मात्रा में 50 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि दर्ज की गयी है।

❖ खरीफ 2022 के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत 26 लाख 41 हजार किसानों द्वारा 34 लाख 06 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे का पंजीयन कराया गया है। इन किसानों को आदान सहायता राशि वितरण हेतु वर्ष 2023-24 के बजट में 06 हजार 800 करोड़ की राशि का प्रावधान है।

❖ गन्ना उत्पादक किसानों को भी प्रति वर्ष प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जा रहा है। इसके लिए 60 करोड़ का प्रावधान है।

❖ नवा रायपुर, अटल नगर में 60 करोड़ की लागत से कृषि एवं किसान कल्याण भवन के निर्माण हेतु प्रावधान है।

❖ किसानों को गुणवत्तायुक्त रासायनिक एवं जैविक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राजनांदगांव एवं रायगढ़ जिले में नवीन उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना की जायेगी। रायपुर स्थित प्रयोगशाला के लिए अतिरिक्त सेटअप सृजन करने का प्रावधान है।

❖ रासायनिक एवं जैविक कीटनाशकों के गुणवत्ता परीक्षण हेतु रायपुर में नवीन प्रयोगशाला की स्थापना का प्रावधान है। इन सभी प्रयोगशालाओं को एन.ए. बी.एल. से सम्बद्धता दिलाने हेतु पृथक से बजट भी रखा गया है।

❖ उद्यानिकी से संबंधित आधुनिक तकनीकों के प्रदर्शन हेतु नवा रायपुर, अटल नगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना की जायेगी। इसके लिए नवीन मद में 02 करोड़ 51 लाख का प्रावधान है।

❖ विकासखंड मुख्यालय गंडई में कृषकों को उद्यानिकी फसलों की गुणवत्तापूर्ण पौध रोपण उपलब्ध कराने हेतु हाईटेक नर्सरी एवं छुईखदान में पान अनुसंधान केन्द्र की स्थापना एवं भवन निर्माण हेतु नवीन मद में 02 करोड़ 50 लाख का प्रावधान है।

❖ राजपुर विकासखंड धमधा में शासकीय बीज प्रगुणन प्रक्षेत्र की स्थापना हेतु नवीन मद में 01 करोड़ 57 लाख का प्रावधान है।

❖ सीड लॉ एन्फोर्समेन्ट के लिए रायपुर में नवीन प्रयोगशाला की स्थापना की जायेगी।

❖ 05 नये जिलों में उप संचालक, कृषि कार्यालय की स्थापना तथा दंतेवाड़ा, नारायणपुर, सुकमा, दुर्ग एवं मुंगेली में अनुविभागीय अधिकारी, कृषि कार्यालय की स्थापना की जायेगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

पश्चिम बंगल सड़कहादसे में चार की मौत

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में एक सडक़ दुर्घटना में एक नाबालिग सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को ये जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना माथाभंगा-जमालदहा स्टेट हाईवे पर पालपारा इलाके में देर रात करीब 2 बजे हुई, जब एक बैटरी से चलने वाला ऑटो रिक्शा तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गया। एक जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नाबालिग लडक़ी सहित तीन अन्य की स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाते समय मौत हो गई। दो घायल नाबालिग लडक़ों को जलपाईगुड़ी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। उनकी हालत गंभीर है। मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जो भोगरामगुरी गांव के रहने वाले थे।

आंध्र प्रदेश : गांव के पास मिले बाघ के चार शावक

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले के एक गांव के पास स्थानीय निवासियों को बाघ के चार शावक मिले हैं। पेड्डा गुम्मदापुरम गांव के निवासियों ने गांव के पास कृषि क्षेत्रों में शावकों को देखा। कुत्तों के उन्हें नुकसान पहुंचाने के डर से उन्होंने शावकों को गांव के एक घर में स्थानांतरित कर दिया और वन अधिकारियों को सूचित किया। ग्रामीणों में भय व्याप्त है क्योंकि उनका मानना है कि शावक की मां शावकों की तलाश में क्षेत्र में आ सकती है। यह गांव अतमाकुर वन प्रभाग के किनारे पर स्थित है। शावकों को अपने कब्जे में लेने वाले वन अधिकारियों का कहना है कि बाघिन अपने शावकों को छोडक़र भोजन की तलाश में गई होगी। शावकों की हालत ठीक बताई जा रही है। वन विभाग ने बाघिन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं और शावकों को उसके करीब के क्षेत्र में छोडऩे की योजना बना रहा है।

इसरो व सीएनईएस आज प्रशांत महासागर में उतारेंगे जलवायु उपग्रह

चेन्नई (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी मंगलवार को फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी सीएनईएस के साथ मिलकर अपने बंद किए गए उपग्रह मेघा-ट्रॉपिक्स-1 (एमटी1) को नियंत्रित तरीके से नीचे लाएगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि उपग्रह प्रशांत महासागर में एक निर्जन स्थान पर गिरेगा। इसरो के अनुसार वह 7 मार्च को मेघा-ट्रॉपिक्स -1 (एमटी1) नामक पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले उपग्रह को नीचे लाने के लिए तैयार है।

एमटी1 को 12 अक्टूबर, 2011 को उष्णकटिबंधीय मौसम और जलवायु अध्ययन के लिए इसरो और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी, सीएनईएस के संयुक्त उपग्रह उद्यम के रूप में लॉन्च किया गया था।

यद्यपि उपग्रह का मिशन जीवन मूल रूप से तीन साल था, लेकिन उपग्रह ने 2021 तक क्षेत्रीय और वैश्विक जलवायु मॉडल का समर्थन करते हुए एक दशक से अधिक समय तक मूल्यवान डेटा सेवाएं प्रदान करना जारी रखा।

लगभग 1,000 किलोग्राम वजन वाला उपग्रह 867 किमी की ऊंचाई की 20 डिग्री झुका हुआ है।

उपग्रह में लगभग 125 किलोग्राम ईंधन बचा हुआ है। इसलिए इसे बहुत सावधानी से नीचे लाने की जरूरत है।

इसरो ने कहा, एरो-थर्मल सिमुलेशन से पता चलता है कि पुन: प्रवेश के दौरान उपग्रहों के किसी भी बड़े टुकड़े के एरोथर्मल हीटिंग से बचने की संभावना नहीं है।

बच्चों को तेजी से चपेट में ले रहा एडीनोवायरस, 19 की मौत; सीएम ने दी मास्क लगाने की सलाह

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदेश में एडीनोवायरस के लगातार बढ़ रहे केसों को लेकर बच्चों को मास्क लगाने की हिदायत दी है। मुख्यमंत्री ने उद्देश्य दिया कि बच्चे हमेशा मास्क लगाकर रखें। प्रदेश में संक्रमण से 19 बच्चों की मौत हो चुकी है। वहीं 13 बच्चे बीमार है।

इस बीच मुख्यमंत्री बनर्जी ने सलाह दी कि सावधानी बरतें जरूरी होने पर ही बच्चों को घर से बाहर निकाले और मास्क पहनकर रखें। जानकारी के अनुसार एडीनोवायरस के चलते बच्चे संक्रमण का शिकार हो सकते हैं, जिससे शरीर में दर्द हो सकता है। बुखार आ सकता है और उन्हें सांस लेने जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

बनर्जी ने कहा कि किसी भी बच्चे में सर्दी के लक्षण पाए जाते हैं या फिर खांसी आती है तो उसे तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और जरूरी लगे तो भर्ती कराना चाहिए। फिलहाल देश भर में तेजी से मौसम बदल रहा है, जिसके चलते लोग वायरल फीवर जैसी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। लेकिन एडीनोवायरस ने चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो खासतौर पर बच्चों को ही चपेट में लेता है।

फिलहाल बंगाल में हालात ऐसे हैं कि शिशु अस्पतालों में बड़ी संख्या में बच्चों के संक्रमित होने के मामले सामने आ रहे हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चे एडीनोवायरस से ही पीडित हैं। प्रशासन ने हर जिले में हेल्थ डिपार्टमेंट और सीएमओ को आदेश दिया है कि वे सतर्क रहें और किसी भी जरूरी इंतजाम की कमी न रहने दें।

भूगर्भीय सर्वेक्षण में कटघोरा के रामपुर जलाशय में मिला लिथियम व कोयले का भंडार

कोरबा (आरएनएस)। कटघोरा ब्लॉक में अलग अलग स्थानों पर किए गए भूगर्भीय सर्वेक्षण में लिथियम की मौजूदगी मिली है। कलेक्टर संजीव कुमार झा ने भी इसकी पुष्टि की है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि लिथियम का भंडार कितना है और उसका व्यवसायिक खनन किया जा सकेगा या नहीं। फिर भी कोयला के बाद लिथियम मिलने को लेकर विकास की नई उम्मीद जगी है।

कोरबा जिले में लिथियम का भंडार मौजूद है। परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय और भूगर्भ सर्वेक्षण संस्थान के सर्वे में इसका खुलासा हुआ है। सर्वे का जो रिजल्ट आया है, इसके अनुसार जिले में पर्याप्त मात्रा में दुर्लभ खनिज तत्व की उपलब्धता है। हालांकि अभी इस पर शोध जारी है। कोरबा जिला में कोयला की एक बड़ी पट्टी हो कर गुजरती है। एक अधिकारी के मुताबिक ऐसी कोयला पट्टी के आसपास के क्षेत्रों में अन्य खनिज जिसमें हीरा तक शामिल होने की संभावना होती है। विगत करीब दो दशक से कोरबा जिला में अलग-अलग स्थानों खास कर कटघोरा और करतला ब्लॉक में भूगर्भीय सर्वेक्षण किए जा रहे है। इन दोनों ही ब्लॉक में कॉल डिपोजिट मिला है। करतला ब्लॉक में रेडियो एक्टिव पदार्थ मिलने की संभावना भी जताई गईए किंतु कोई ठोस परिणाम नहीं मिला। इसी कड़ी में कटघोरा वनमंडल के गढक़टरा क्षेत्र में लिथियम की उपलब्धता को लेकर सर्वे किया गया था। 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से 138 नमूने एकत्र किए गए थे। इन नमूनों की जांच के बाद पता चला कि यहां दुर्लभ खनिज तत्व में मौजूदगी है। गढक़टरा बीहड़ वनांचल क्षेत्र है। अब कटघोरा शहर के वार्ड क्रमांक 7 महेशपुर में लिथियम खनिज का भंडार मिला है। यहां भूगर्भीय सर्वेक्षण की टीम लगभग 2 महीने से सर्वे के काम में जुटी हुई है।

ग्राम महेशपुर के अलावा रामपुर और नवागांव में भी खुदाई के दौरान लिथियम पाए जाने की संभावना हैं। महेशपुर में तालाब के निकट इसका भंडारण होना पाया गया है। लिथियम एक तरह का रेअर एलिमेंट है। इसे व्हाइट गोल्ड भी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल मोबाइल. लैपटॉप, इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत दूसरे चार्जेबल बैटरियों को बनाने में किया जाता है। लिथियम एक नरम और चाँदी जैसी-सफेद धातु होता है। जम्मू कश्मीर में लिथियम का भंडार मिला है। इसकी क्षमता 59 लाख टन है। इसे श्व्हाइट गोल्डश्श् भी कहा जाता है। भारत में पहली बार इतना लीथियम मिला है जो दुनिया में तीसरे नंबर का बड़ा भंडार सिद्ध हो सकता है।अभी चीन पर लिथियम के लिए अवलंबित है। लिथियम एक अलौह धातु है। जिसका इस्तेमाल थर्मोन्यूक्लियर रिएक्शन में भी किया जाता है। लिथियम का उपयोग एल्युमीनियम और मैग्नीशियम के साथ मिश्र धातु बनाने के साथ ही मिश्र धातुओं की क्षमता बढ़ाने में भी किया जाता है। एल्युमीनियम. लि थियम मिश्र धातु का इस्तेमाल साइकिलों की फ्रेम, एयरक्राफ्ट और हाई.स्पीड ट्रेनों में भी किया जाता है। मूड स्विंग और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी बीमारियों के इलाज में भी लिथियम का इस्तेमाल किया जाता है।